शराब व वर्दी के नशे में धुत आई.पी.एस. ने होटल में पूरी रात जमकर मचाया तांडव

अजमेर स्थित मकराना होटल में अपने दोस्तों के साथ कर्मचारियों से मारपीट कर की तोड़फोड़

अजमेर, (कासं)। जयपुर रोड स्थित मकराना होटल में एक आईपीएस द्वारा शराब के नशे में अपने दोस्तों के साथ होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुये तोडफोड़ करने के मामले में एक एएसआई व दो पुलिसकर्मियों सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित किया गया है।

शहर में एक आईपीएस अधिकारी पर अपनी वर्दी और शराब के नशे का इतना गुरुर चढ़ा कि उसने अपने दोस्तों के साथ 11 जून की रात गेगल थाना क्षेत्र के होटल मकराना राज कर्मचारियों के साथ मारपीट और तोड़फोड़ कर दी ओर उसके बाद वहां से चले गये, घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। होटल संचालक ने इसकी सूचना जब गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आरोपितों की तलाश में निकल गए, लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को पता चला की आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई ने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की है तो आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई उनके दोस्त और गेगल थाना पुलिस के पुलिसकर्मी एक बार फिर होटल पहुंचे और होटल में तांडव मचाना शुरू कर दिया।

होटल में जो भी लोग मौजूद थे उनके साथ मारपीट और होटल में तोड़फोड़ की गई, लेकिन शराब के नशे में आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई यह भूल गए कि होटल में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और उनकी यह पूरी काली करतूत होटल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना रात करीब 3:00 बजे की है, जब एक फॉर्च्यूनर कार और एक वेन्यू कार में आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई अपने दोस्तों के साथ होटल के बाहर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि आईपीएस अधिकारी सुशील विश्नोई ने वहां बाहर घूम रहे होटल कर्मचारी से वाशरूम की जानकारी ली तो कर्मचारी ने उन्हें वाशरूम का रास्ता बता दिया। इसके बाद सुशील कुमार बिश्नोई होटल के अंदर गए और वहां पर फिर से टॉयलेट का रास्ता पूछने लगे, जब होटल के अंदर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि टॉयलेट का रास्ता बाहर से है तो सुशील कुमार विश्नोई ने अपना आपा खो दिया और अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया।

रात करीब 3 बजे का वक्त होने के चलते होटल में अधिक स्टाफ मौजूद नहीं था, इसी का फायदा उठाते हुए आईपीएस अधिकारी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल में जमकर मारपीट की और तोड़फोड़ की। आईपीएस अधिकारी सिविल यूनिफॉर्म में होने के चलते होटल में उन्हें कोई पहचान नहीं सका। जानकारी के अनुसार जब होटल मालिक ने इसकी सूचना गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस की टीम होटल पहुंच गई। होटल कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने आकर उनके साथ मारपीट की और होटल में तोड़फोड़ की है।

जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत आरोपियों की तलाश शुरू कर दी लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को यह पता चला कि आरोपी कोई और नहीं उन्हीं के आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्त हैं तो वह सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्तों को लेकर एक बार फिर होटल में पहुंचे। जहां इस बार उन्होंने पहले से ज्यादा मारपीट की और पुलिसकर्मियों ने भी अपने हाथ साफ करने से बाज नहीं आए गेगल थाना पुलिस के सिपाहियों ने भी होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर :- जब यह सूचना बाहर आई तो गेगल थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है की गेगल थाना के एसएचओ सुनील कुमार बेड़ा को पूरी घटना की जानकारी होने के बावजूद भी अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आईपीएस अधिकारी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अजमेर एसपी चुनाराम जाट ने घटना में शामिल गेगल थाने के एएसआई रूपाराम, कॉन्स्टेबल गौतम और मुकेश यादव सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित कर दिया है।

पूरी घटना पर अजमेर एसपी चुनाराम जाट से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन चुनाराम जाट मीडिया के सामने नहीं आ रहे हैं। वही थाना के एसएचओ सुनील कुमार से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है कुछ लोगों को राउंडअप भी किया है लेकिन वह आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार बिश्नोई के खिलाफ कुछ भी कहने से बचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आईपीएस की ओर से मारपीट करने मामले में राठौड़ से मुलाकात करते राजपूत समाज के लोग।

- **मामले में ए.एस.आई. व दो पुलिसकर्मी सहित आई.पी.एस. को निलंबित किया**
- **आई.पी.एस. विश्नोई ने अपने दोस्तों के लिये रखी थी विदाई पार्टी**

बताया जा रहा है कि सुशील कुमार विश्नोई ने अपने दोस्तों के साथ अपने अजमेर से विदाई की पार्टी रखी थी। वहीं पूरे मामले में अब राजपूत समाज भी खुलकर सामने आया है बताया जा रहा है कि यह होटल राजपूत समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति का है, राजपूत समाज ने आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड से भी मुलाकात कर उन्हें पूरी घटना से अवगत कराया है धर्मेंद्र राठौड ने मीडिया से कहा कि इस मामले में किसी भी अधिकारी और पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी। धर्मेन्द्र राठौड से मुलाकात के दौरान राजपूत समाज के दशरथ सिंह सकराय, नरेंद्र सिंह जालमपुरा, सुमेर सिंह शेखावत, डॉक्टर अजय सिंह राठौड़, बहादुर सिंह पीपरोली, पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत, गजेंद्र सिंह पीह, दातार सिंह राठौड़, मूल सिंह रुनीजा, महावीर सिंह गौड, पदम सिंह भाटी, जय सिंह राठौड़, शम्भू सिंह राठौड, सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

विधायक कल्पना देवी का गनमैन गायब

पुलिस विभाग से लेता रहा भुगतान

कोटा, (निसं)। विधायकों की सुरक्षा के लिए सरकार संबंधित जिले की पुलिस से गनमैन मुहैया करवाती है जिन्हें पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर कहते हैं। कोटा में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें विधायक के पास बीते 4 साल से गनमैन नहीं है लेकिन गनमैन के वेतन का भुगतान पुलिस विभाग कर रहा है।

पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं। वह न तो पुलिस विभाग में ड्यूटी कर रहा है न ही विधायक की सुरक्षा में लगा है पिछले 4 साल से गनमैन न केवल पुलिस विभाग से वेतन ले रहा है बल्कि अपने हथियार की वार्षिक रिपोर्ट भी जमा करा रहा है।

इस दौरान वह मौज मस्ती करता रहा। मामले के अनुसार कोटा शहर पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल जितेंद्र सिंह (बेल्ट नंबर 1088) को साल 2019 में विधायक कल्पना देवी के गनमैन के तौर पर तैनात किया गया था उसने कभी विधायक के सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम ही नहीं किया।

हालात ये हैं कि न तो विधायक ने और न ही पुलिस ने पुष्टि की कि उनका जवान गनमैन के तौर पर कार्यरत है या नहीं। जितेंद्र सिंह न तो ड्यूटी कर रहा था न ही वह पुलिस लाईन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा था। इसका फायदा उठाकर वह बीते 4 सालों से मौज मस्ती में कर रहा था वर्तमान में भी जितेंद्र सिंह लद्दाख घूमने गया है। उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। कुछ देर के लिए जब फोन चालू हुआ तो उसे पुलिस अधिकारियों ने पुलिस लाईन में हाजिरी देने के लिए कहा लेकिन उसने फिर फोन स्विच ऑफ कर लिया। वीआईपी की सुरक्षा में लगे गनमैन को हर साल अपने हथियार का ब्यौरा उपलब्ध कराना होता है। जिसके लिए उसे पुलिस लाइन में जाना पड़ता है।

- **पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं**

जब विधायक के साथ लगे गनमैन जितेंद्र सिंह को फोन किया गया तो उनका फोन स्विच ऑफ मिला। ऐसे में पुलिस ने विधायक को फोन कर दिया। विधायक ने कहा कि उनके पास तो कोई गनमैन ही नहीं है। इससे पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। इसके बाद पुलिस ने आंतरिक जांच शुरू की तो सामने आया कि बीते 4 सालों से वह पुलिस लाईन में अपने हथियार का ब्यौरा प्रस्तुत कर सैलरी भी पूरी उठा रहा था। विधायक कल्पना देवी के बयान के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राम कल्याण मीणा ने जितेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है।इस पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी है। एडिशनल एसपी मीणा का कहना है कि इस मामले में विधायक के बयान के बाद कांस्टेबल को निलंबित किया गया है और नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी बीते 4 सालों में कई बार पुलिस लाईन में आकर ट्रेनिंग भी ली है। साथ ही वह जयपुर में जाकर गनमैन का प्रशिक्षण भी अलग से 2022 जुलाई में लेकर आया है। हर बार ट्रेनिंग के लिए पुलिस लाईन में आमद करवाता था। साथ ही ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद वापस रवानगी ले लेता था।

इसके साथ ही पुलिस कर्मियों की परीक्षा भी पुलिस लाईन में आयोजित हुई है इसके लिए भी जितेंद्र सिंह सोलंकी को कई बार पुलिस लाईन से संपर्क किया गया जिसके बाद वह आकर परीक्षा दे जाता और वापस चला जाता था ताकि किसी को शक नहीं हो कि वह कल्पना देवी के साथ बतौर सुरक्षाकर्मी काम नहीं कर रहा है। जितेंद्र सिंह सोलंकी ने एक बार भी पुलिस लाईन में किसी को यह नहीं बताया कि वह कल्पना देवी की सुरक्षा में नहीं लगा हुआ है।

इसके चलते हमेशा पुलिस लाइन से उसकी सैलरी बन जाती थी और उसके खाते में चली जाती थी। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी को करीब 50 हजार रुपए से ज्यादा की सैलरी हर माह मिल रही थी। ऐसे में वह अभी तक 25 लाख रुपऐं की सैलरी उठा चुका हैं। जबकि उसने बतौर सुरक्षाकर्मी काम ही नहीं किया है। कोटा सिटी पुलिस लाईन के संचित निरीक्षक भगवान सहाय का कहना है कि सैलरी बनाने के लिए कोई डॉक्यूमेंट एमएलए या उसके ऑफिस से नहीं लिया जाता है। ऐसे में लगातार जितेंद्र की सैलरी पुलिस लाईन से बनती रही थी। विधायक कल्पना देवी कोटा के पूर्व राज परिवार की सदस्य हैं। ऐसे में सिविल लाइंस स्थित राजभवन में ही निवास करती हैं।

दूसरा उनका कार्यालय भी नेहरू गार्डन के नजदीक है। पूर्व राजपरिवार के सुरक्षाकर्मी पहले से भी हैं ऐसे में विधायक बनने के बाद कल्पना देवी ने किसी सुरक्षा गार्ड या गनमैन को लगाने की जरूरत भी नहीं समझी है। उनके निजी सहायक रूपेश राय का कहना है कि कभी सुरक्षाकर्मी की जरूरत ही नहीं हुई। कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी पता नहीं कहां से कागज लाकर गनमैन बन गया हमने कभी देखा भी नहीं है। साथ ही वह एमएलए कल्पना देवी के पास कभी आया भी नहीं है।

पेपरलीक मास्टर माइंड को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले का है मास्टर माइंड है सुरेश ढाका

जोधपुर, (कासं)। शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले के मास्टर माइंड सुरेश ढाका को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। आरोपी सुरेश ढाका की तरफ से अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार एप्लीकेशन लगाई गई थी, जिस पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 जुलाई रखी है।

बता दें कि 28 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत का आवेदन डिटेल ऑर्डर के साथ खारिज कर दिया गया था। इस आदेश को सुरेश ढाका ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ढाका के वकील सलमान खुर्शीद ने दलील दी कि सुरेश ढाका के खिलाफ 5 प्रकरण बताए गए हैं जो सभी असत्य हैं। उसके खिलाफ कोई केस पैंडिंग नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को यह कह कर निस्तारित कर दिया था कि यह फैक्ट राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें। इसके बाद मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें सरकारी वकील ने एसओजी के जांच अधिकारी लाखन सिंह को तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ पेश किया।

- **ढाका ने अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार लगाई थी एप्लीकेशन**

लाखन सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध 5 प्रकरण हैं, यह एकदम सही है। हमारे द्वारा जो तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की गई है, उसमे भी इसका उल्लेख है। हाईकोर्ट में पिछली सुनवाई 29 मई को हुई थी। तब अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने कोर्ट के समक्ष कहा था कि आरोपी सुरेश ढाका के खिलाफ पांच प्रकरण है, इस पर हम अगली सुनवाई में नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश करेंगे।इस पर आज मंगलवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश की। आरोपी के अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने कोर्ट से आग्रह किया कि शपथ पत्र की कॉपी हमें आज दी गई है। हमें इसके लिए समय दिया जाए। इस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जुलाई को नीयत की है।

कार्यवाहक सरपंच रिश्वत लेते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एसीबी ने उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच को 53 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बालेसर निवासी सरपंच ने 2 पट्टे जारी करने के एवज में 53 हजार की घूस मांगी थी।

ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर-ग्रामीण इकाई ने आज कार्यवाही करते हुए बालेसर तहसील के गांव बेलवा खत्रिया के उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच सेठाराम माली को परिवादी से 53 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी। परिवादी ने बताया कि उसके पैतृक भूखण्ड के दो पट्टे जारी करने की एवज में सेठाराम माली उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच द्वारा 55 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

आंधी-तूफान के आसार

भरतपुर (निस)। पिछले दिनों आये चक्रवाती तूफान से सम्पत्ति के साथ जनहानि भी हुई, अभी मौसम विभाग ने 15 से 16 जून को पुनः आंधी-तूफान आने की चेतावनी जारी की है। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर के डीन डॉ. उदयभान सिंह ने बताया कि आंधी और तूफान से अक्सर पशुओं, फसलों, कमजोर इमारतों, बिजली के खम्भों, पुराने पेड़ों के साथ-साथ मनुष्यों को हानि पहुँचती है। सावधानियाँ अपनाकर आंधी तूफान के कहर से बचा जा सकता है।

गैस पाइप लीकेज से हड़कंप मचा

खुदाई करते समय कट गई लाइन

जोधपुर, (कासं)। शहर के सालावास रोड पर मंगलवार की सुबह गैस लीकेज से हडक़ंप मच गया। बताया गया कि लाइन खुदाई करते लाइन कट गई। जिससे गैस का लीकेज हुआ। बाद में पुलिस और कंपनी के अधिकारी वहां पहुंचे और गैस पाइप लाइन को दुरूस्त करवाया गया। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया गया कि बिना अनुमति के सफाई का कार्य चल रहा था। बासनी में एक फैक्ट्री में कपड़ा धुलाई फैक्ट्री की ओर से यह खुदाई करवाई जा रही थी।

जेपीएनटी की वेस्ट लाइन हुई चॉक :- जानकारी के अनुसार जेपीएनटी की ओर से बिछाई वेस्ट पानी लाइन चॉक हो गई थी। कंपनी ने यहां पर सडक़ खुदवा कर काम शुरू कर दिया। मौके पर गैस कंपनी के चेतावनी बोर्ड लगे होने के बावजूद कंपनी ने गैस पाइपलाइन अधिकारियों को सूचना नहीं दी। सुबह 9 बजे यहां जेसीबी से खुदाई शुरू की। चार पांच फीट खुदाई के बाद यहां पर गैस पाइप लाइन का पाइप क्षतिग्रस्त हो गया। इससे गैस निकलने शुरू हो गई और आसपास के जगह पर गैस की गंध फैलने लगी।

इधर जेसीबी वाला मौके से जेसीबी लेकर फरार हो गया। वहीं गैस लीक होते देख पास के केबिन संचालक और अन्य लोग डर के मारे भाग छूटे। आधे घंटे बाद गैस कंपनी के प्रतिनिधि पहुंचे और गैस सप्लाई बंद करवाई गई। यहां अब फिर से गैस पाइप लाइन दुरुस्त करने का काम शुरू किया। गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने के लिए 3 साल की सजा और 25 करोड़ के जुर्माने का प्रावधान है। मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। एहतियात के तौर पर बासनी से दमकल को भी बुलाया गया।

वृद्धा की हत्या कर फरार हुआ दूसरा पति

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन के खुंजा क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी 65 वर्षीय पत्नी की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। मृतका का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण गृह क्लेश होना बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि खैरा बानो (65) वार्ड 5 खुंजा की उसके दूसरे पति इशाक अली पुत्र कासम अली ने चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ महिला को अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि खैरा बानो के पहले पति की 15 वर्ष पहले मौत हो गई थी जिसके बाद उसने इशाक अली से निकाह कर लिया था। खैरा बानो के पहले पति से तीन संतान है जिसमें दो पुत्र एवं एक पुत्री है। दो वर्ष पहले पति-पत्नी में अनबन होने के बाद एक पुत्र के साथ खैरा बानो तो दूसरे पुत्र के साथ इशाक अली रहने लगा। बताया जा रहा है कि डबलीराठान में विवाहित खैरा बानो की पुत्री यहां आई हुई थी जिस पर वह अपनी बेटी के साथ उस पुत्र के घर चली गई जिसके पास इशाक अली रह रहा है। वहां किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और तैश में आए इशाक अली ने खैरा बानो के पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए जिससे उसकी अस्पताल में मौत हो गई। सीआई गेरा ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

मामूली कहासुनी के बाद युवक की हत्या, मुआवज़े की लेकर हंगामा

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में बांगड़ हॉस्पिटल के सामने बीती रात को मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई। चाकूबाज़ी के हमले में घायल युवक को देर रात महात्मा गांधी हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि मंगलवार रात को बांगड़ हॉस्पिटल के सामने विजयसिंह पथिक नगर निवासी अजय यादव की कुछ साथी एम्बुलेंस ड्राइवरों से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद रात को करीब 6 से 8 लोगों ने अजय यादव पर हमला कर दिया और चाकू मारकर घायल कर दिया। अजय की एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। रात को शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं इस मामले में एक युवक को डिटेन भी किया गया है। जिससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है।

सुभाषनगर पुलिस ने बताया कि मोतीनगर निवासी राजेंद्र यादव पुत्र मोहनलाल यादव ने हत्या की रिपोर्ट दी है। राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि वह बागंड हॉस्पीटल मे एंबुलेंस चलाता है। हॉस्पीटल के बाहर अभिषेक जीगर व नरेश खटीक भी एम्बुलेंस रखते है। ये लोग उसके परिचित हैं। 12 जून को राजेंद्र के बेटे मुरली यादव ने अभिषेक जीनगर को फोन कर उसके पिता को साथ बैठाकर शराब नहीं पिलाने के लिए कहा। इसे लेकर अभिषेक व मुरली के बीच बोलचाल हो गई। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले को सुलझाने के लिए राजेंद्र की पत्नी ने उसके साले अजय यादव को बांगड़ अस्पताल के पास भेजा। वहां, अभिषेक जीगर, हरीश खटीक, नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतू व 2-3 अन्य लोग मिले। राजेंद्र भी वहीं खड़ा था। राजेंद्र का एक परिचित नारायण नारायण बैरवा भी वहां होटल पर चाय पी रहा था।

राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतु ने राजेंद्र के साले अजय यादव को पकड़ा और हरीश खटीक ने जेब से चाकू निकाल कर अजय के सीने पर ताबड़-तोड़ वार किये। सीने में चाकू के ताबड़-तोड़ वार के बावजूद अजय खुद को बचाने के लिए वहां से भागा और गिर पड़ा। ये आरोपित भी उसके पीछे भागे। इसके बाद ये आरोपित वापस लौट आये। हरीश, नरेश व अभिषेक तीनों वहां से टवेरा लेकर भाग गये। वहीं बाबूलाल व जीतू भी इधर-उधर हो गये। उधर, चाकू लगने के बाद जान बचाकर भागे साले के पीछे उसका जीजा राजेंद्र भी भाग कर गया, जहां उसे अजय खून से लथ-पथ होकर गली में पड़ा हुआ मिला। राजेंद्र के बेटे मुरली यादव, कान्हा यादव चीख रखे थे।

परिजनों ने आरोपियों की गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया।

- **घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है**

इसके बाद अजय को उठाकर बांगड़ अस्पताल ले गये, जहां से उसे एमजीअस्पताल ले जाने के लिए कहा बाइक पर उसे हॉस्पिटल लेकर पहुँचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सवेरे परिजनों ने आरोपीयो को गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया। घटना की सूचना के बाद एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ सदर योगेश शर्मा, सुभाष नगर थाना अधिकारी नंदलाल रिणवा, प्रतापनगर थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण सहित पुलिस जाब्ता हॉस्पिटल पहुँचा। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लेते हुए उचित मुआवज़े का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया है।

अतिक्रमण हटाने पहुंची जे.डी.ए. की टीम को विश्नोई समाज ने रोका

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ में अतिक्रमण हटाने पहुंची जेडीए की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। विश्नोई समाज के लोगों ने कार्रवाई को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। समाज की महिलाएं भी प्रदर्शन में पहुंच गई। फिलहाल जेडीए की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। अखिल भारतीय विश्नोई महासभा के देवेंद्र बुडिया भी मौके पर पहुंचे हैं।

- **जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है**

जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां पर मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है। दरअसल कोर्ट के निर्देश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने के विरोध में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ के लोग पिछले 16 दिनों से धरना दे रहे थे। सोमवार को इन लोगों ने जेडीए के बाहर भी सद्बुद्धि यज्ञ किया था। उसके बाद जेडीए ने मंगलवार को केरू क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्णय लिया था। जेडीए का दस्ता अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो विश्नोई समाज के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और कार्रवाई को लेकर विरोध जताने लगे। समाज के लोगों का कहना था की मां अमृता देवी के नाम पर बने उद्यान के बोर्ड और पेड़-पौधों को नहीं हटाने दिया जाएगा। वहीं विरोध को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई। मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि जोलियाली में करोड़ों की सरकारी जमीन पर उद्यान के नाम पर कब्जा कर लिया गया है। रातों रात यहां तारबंदी करके पौधे लगा दिए गए। जबकि ये गोचर भूमि है। बता दें कि पिछले बार भी जाब्ते के अभाव में जेडीए दस्ते को वापस लौटना पड़ा था। इस बार जाब्ते के साथ टीम पहुंची तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया।

आई.ए.एस. गिरधर निलंबित

जयपुर/अजमेर, (का.सं.)। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के आदेश जारी हुए हैं। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर के विरूद्ध विभागीय जाँच कार्यवाही विचाराधीन है। अतः राज्य सरकार अखिल भारतीय सेवाऐं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम-3 के उप नियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के एतद्वारा आदेश प्रदान करती है। राजेन्द्र सिंह कविया शासन संयुक्त सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरधर, आई.ए.एस. का निलम्बन काल के दौरान मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के कार्यालय में रहेगा।

SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT
निदेशालय – स्वच्छ परियोजना, उदयपुर
बड़ी रोड़ (हवाला खुर्द), पुलिस अन्वेषण भवन के आगे, उदयपुर (राज.) 313001
Email: directorswach@rajasthan.gov.in, swachhoudaipur@gmail.com
क्रमांक : एफ( )/मां बाडी/निविदा/निदे./स्वच्छ/2023-24/1857 दिनांक 13.06.2023
बोली सूचना संख्या – 08/2023-24
UBN - SWP2324GLSS00017
वर्ष 2023-24 में स्वच्छ परियोजना द्वारा विभिन्न जिलों में संचालित मां बाडी एवं मां बाडी डे-केयर योजना अन्तर्गत केन्द्रों पर अध्ययनरत बालक/बालिकाओं हेतु स्टेशनरी सामग्री (अनुमानित लागत राशि रू. 425.00 लाख) क्रय किये जाने की आवश्यकता है। इस हेतु ई-बोली सूचना आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिनांक 26.06.2023 को अपरान्ह 12.00 बजे तक वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी।
निदेशक